युग युग से प्यासे है नैना दर्शन दो बनवारी लिरिक्स

युग युग से प्यासे है नैना,
दर्शन दो बनवारी,
हे गोविन्द मुरारी,
हे गोविन्द मुरारी।bd।

अब युग युग की प्यास बुझा दे,
दोनों कुल की लाज बचा दे,
तू गोकुल का ग्वाला कान्हा,
आजा कुञ्ज बिहारी,
हे गोविन्द मुरारी,
हे गोविन्द मुरारी।bd।

नैया मेरी बिच भवर में,
पार उतर जाऊं तेरे दरश में,
तू तो नन्द दुलारा कृष्णा,
हर लो विपदा भारी,
Bhajan Diary Lyrics,
हे गोविन्द मुरारी,
हे गोविन्द मुरारी।bd।

युग युग से प्यासे है नैना,
दर्शन दो बनवारी,
हे गोविन्द मुरारी,
हे गोविन्द मुरारी।bd।

गायक – पं सुनील पाठक।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com